ओजोन परत के क्षरण में मानव गतिविधियां अधिक जिम्मेदार : वंदना सिंघवी

बीकानेर, (कासं)। राष्ट्रीय उष्ट्र अनुसंधान केन्द्र में नेशनल एनवॉयरमेंटल साइंस अकादमी (नेसा), नई दिल्ली द्वारा एनआरसीसी सहित अन्य विभिन्न संस्थानों के संयुक्त तत्वावधान में 16 सितम्बर से दो दिवसीय नेशनल कांफ्रेंस का शुभारंभ किया गया।

ओजोन लेयर, इट्स डिप्लीशन एण्ड इम्पेक्ट ऑन लिविंग बींगस् पर आयोजित किए जा रहे इस सम्मेलन में देशभर के विभिन्न राज्यों से करीब 100 से अधिक विषय-विशेषज्ञ, अनुसंधानकर्ता, विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी गण भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह की मुख्य अतिथि संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सूरज से उत्पन्न होने वाली पराबैंगनी किरणों से धरती पर जीवन को बचाने के लिए ओजोन परत एक रक्षक की भूमिका निभाता है।

इसका क्षरण, मानवीय जागरूकता की मांग करता है। क्योंकि इसके क्षरण में मानव गतिविधियां अधिक जिम्मेदार हैं। संभागीय आयुक्त ने बदलते परिवेश में कम खर्चे में अधिक कृषि उत्पादन की प्रवृति, इस हेतु पेस्टीसाइड का अंधाधुंध प्रयोग व इससे होने वाले दुष्प्रभाव, इनके प्रयोग में बरती जाने वाली असावधानियों, वर्षा की

ओजोन परत के क्षरण व इसके प्रभाव पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन को संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने सम्बोधित किया।

अनिश्चितता, रासायनिक धुआं, विभिन्न आधुनिक उपकरणों, वनों की कटाई आदि विभिन्न पहलुओं व मुख्य घटकों की ओर सदन का ध्यान खींचा तथा कहा कि ओजोन के संरक्षण की दिशा में अधिक तत्परता से काम किया जाना होगा ताकि धरती पर जीवन बचा रह सकें। उन्होंने आधुनिक खेती में कीटनाशकों के अत्यधिक प्रयोग को नियंत्रित करने के लिए एक मार्गदर्शिका बनाने तथा इस विषय पर एक कार्यशाला आयोजित करने की आवश्यकता जताई।

निदेशक, एनआरसीसी एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. आर. के. सावल ने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ती प्राकृतिक आपदाओं का एक प्रमुख कारण ओजोन परत का क्षरण होना है अतः इस ज्वलंत विषय पर सम्मेलन के माध्यम से जलवायु परिवर्तन और वायु प्रदूषण को कम करने हेतु जन सहभागिता बढाने एवं इसके बारे में जागरूकता फैलाने की ओर ध्यान आकर्षित करना है ताकि मानव जीवन को और अधिक सुखद बनाया जा सकें। डॉ. सावल ने जलवायु परिवर्तन और इसमें ऊंट की अनुकूलनता पर भी प्रकाश डालते हुए नेसा द्वारा एनआरसीसी संस्थान को इस कार्यक्रम के आयोजन का अवसर

- **ओजोन परत के क्षरण व इसके प्रभाव पर राष्ट्रीय सम्मेलन का शुभारंभ**

प्रदान करने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि इस गंभीर विषय पर चिंतन से निश्चित तौर पर इस दिशा में सकारात्मक परिणाम निकलेंगे। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को इस दो दिवसीय वैज्ञानिक चर्चा में बढ़कर सहभागिता हेतु प्रोत्साहित किया।

समारोह के विशिष्ट अतिथि डॉ. आर्तबन्धु साहू , निदेशक, राष्ट्रीय पशु पोषण एवं शरीर क्रिया विज्ञान संस्थान, बैंगलुरू ने कहा कि ओजोन परत के क्षरण से वर्तमान में ग्लोबल वार्मिंग (वैश्विक तापवृद्धि) व वैश्विक जलवायु परिवर्तन को स्पष्टतः देखा जा सकता है। उन्होंने परत के क्षरण में पशुधन के योगदान की बात करते हुए कहा कि सभी पशुधनों में ऊंट बहुत कम मिथेन का उत्सर्जन करता है। अतः यह एक पर्यावरणीय मैत्रीय पशु है।

डॉ. साहू ने कहा कि यद्यपि हम सब के सक्रिय प्रयासों से ओजोन परत के क्षरण की भरपाई आंशिक तौर पर प्रारम्भ हो चुकी है परंतु हमें इसके प्रति और अधिक जागरूक रहकर कार्य करना होगा।

पुराने सिक्कों और नोटों की प्रदर्शनी

बीकानेर, (कासं)। गंगाशहर रोड स्थित अग्रवाल भवन में चल रहे मुद्रा महोत्सव के आखरी दिन करीब 5 हजार विजिटर्स ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। पुराने सिक्कों और नोट को देखने वाले दर्शकों का उत्साह इस कदर था कि प्रदर्शनी के आखरी समय पर हजारों लोगों की भीड़ लगी रही। व्यवस्था बनाने के लिए पुलिस प्रशासन को मोर्चा संभालना पड़ा।

बीते दिनों में यहां आने वाले करीब 15 सौ स्टूडेंट्स को पुराने सिक्के और नोट गिफ्ट किए गए। रविवार को भी सौ बच्चों को 10 देशों की मुद्राओं के सेट गिफ्ट किए थे। बीकानेर शहर सहित आसपास के गांवों और कस्बों से लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। इसमें छोटे बच्चे और महिलाएं भी थी। रविवार को प्रदर्शनी के आखरी दिन ज्यादातर लोगों 1, 2 तथा 5 रूपए के नोट जो अब प्रिंट होने बंद हो गए हैं, की गड्डियां लेकर बीकाणा मुद्रा महोत्सव में मूल्यांकन करवाने पहुंचे।

कार्यक्रम आयोजक किशन सोनी ने बताया कि तीन दिनों में करीब 10 हजार लोगों ने इस प्रदर्शनी में शिरकत की थी। आखरी दिन उदय गंगा फाउंडेशन की ओर से 100 बच्चों को 10 देशों के विदेशी सिक्कों का सेट गिफ्ट किया। बैंगलुरू प्रवासी बीकानेर मूल के मुद्रा व्यवसायी मरूधर आर्ट की आर्ची मारू ने बीकानेर रियासत की गंगाशाही मोहर और कोरोनेशन मैडल को प्रदर्शित किया।

सार-समाचार

सीताराम येचुरी को दी श्रद्धांजलि

बीकानेर में भाकपा नेता सीताराम येचुरी को विभिन्न संगठनों ने श्रद्धांजलि दी।

बीकानेर, (कासं)। भारत की कम्युनिस्ट पार्टी मार्क्सवादी के जिला सचिव सुंदरलाल बेनीवाल ने बताया कि आज सीताराम येचुरी को श्रद्धांजलि देने के लिए जिला कार्यालय बीटीआर भवन में विभिन्न जन संगठनों के नेतृत्वकारी साथी उपस्थित हुए। जिसमें श्रद्धांजलि सभा की अध्यक्षता सरल विशारद, अविनाश व्यास, कामिनी सक्सेना तथा शिक्षक नेता श्रवण पुरोहित ने की। सभा में सर्वप्रथम कॉमरेड सीताराम येचुरी को 2 मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई। श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत जिला सचिव सुंदरलाल बेनीवाल ने सीताराम के जीवन पर प्रकाश डालते हुए की। अविनाश व्यास ने सीताराम के संघर्षों को याद करते हुए बताया कि सीताराम पहले छात्र नेता थे, जिन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी से त्यागपत्र मांगा था। श्रीडूंगरगढ़ पूर्व विधायक गिरधारी लाल महिया ने वर्तमान में सीताराम येचुरी के पद चिन्हों पर चलने का आव्हान किया। अखिल भारतीय जनवादी महिला समिति की राज्य महासचिव डॉक्टर सीमा जैन बेनीवाल ने कहा कि कॉमरेड सीताराम एक ऐसे नेता थे जो पूरे भारत की परीक्षा में अव्वल रहे। तीन बार जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रसंघ अध्यक्ष रहे और आपातकाल में जेल में भी रहे। मोहन भादू, अशोक शर्मा, मूलचंद खत्री, लक्ष्मी पाल, अब्दुल रहमान, शेखर रेगर, निंबाराम डूडी, सुरेंद्र सिंह भाटी, सलिल खत्री, एडवोकेट रमेश, रामनिवास, अनिल बारूपाल इत्यादि ने भी विचार रखें।

पक्षियों के इलाज के लिए टेबल भेंट

दवा विक्रेता संघ ने पक्षियों के इलाज के लिए वन विभाग के रेस्क्यू सेंटर में टेबल भेंट की।

बीकानेर, (कासं)। अपने लिए जीए तो क्या जीए.. जी तू जी जमाने के लिए.., इस गीत की सार्थकता को सिद्ध करते हुए बीकानेर जिला दवा विक्रेता संघ से जुड़े नीरज तिवारी, श्याम जोशी, रमेशचंद्र वर्मा, घनश्याम भार्गव, करणीदान ने दिनेश गुप्ता की प्रेरणा से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन की पूर्व संध्या पर वन विभाग के रेस्क्यू सेंटर में एक मिनी ऑपरेशन की सेंटर टेबल भेंट की है। इस टेबल की आवश्यकता रेस्क्यू सेंटर में लम्बे समय से महसूस की जा रही थी। फोटो जर्नलिस्ट दिनेश गुप्ता फोटो खींचने के शोक के साथ पशु-पक्षियों की सेवा की सेवा में विशेष रूचि रखते हैं। इसके चलते उन्होंने कई बार रेस्क्यू सेंटर में देखा कि घायल पक्षियों को यहां उपचार के लिए लाए जाने पर उन्हें जमीन पर बोरी पर ही लिटाकर पट्टी, प्लास्टर, ग्लूकोज वगैरह दिया जाता था। इसके साथ इलाज के लिए एक अतिरिक्त व्यक्ति की आवश्यकता सदैव रहती थी जो पक्षी को पकड़कर रख सके। लेकिन अब इस टेबल पर घायल पक्षी या छोटे पालतू पशु को लेटाकर उसे टेबल पर ही लगे बेल्ट से बांधकर, पास में ही ग्लूकोज या दवा देने के लिए स्टैण्ड भी लगा दिया गया है। इतना ही नहीं घायल पक्षी के खून आने की स्थिति में टेबल के सेंटर में ही इस प्रकार से प्रबंध किया गया है कि खून या अन्य मवाद वगैरह नीचे रखी बाल्टी में एकत्रित हो जायेगा। इससे इलाज में भी सुविधा रहेगी। सभी खर्च लगाकर रेस्क्यू सेंटर के इंचार्ज सीताराम को भेंट दी है। बीकानेर दवा विक्रेता संघ नेक कार्य में भागीदार बनी है।

बीस मिलीग्राम स्मैक सहित पकड़ा

श्रीगंगानगर, (कासं)। पुलिस ने जिले के केसरीसिंहपुर में नशे के आदी युवक से बीस मिलीग्राम स्मैक बरामद किया है। वह यह स्मैक अपने उपयोग के लिए लाया था। जिले के केसरीसिंहपुर में इन दिनों नशा मुक्ति संघर्ष समिति एक्टिव है। समिति सदस्य ऐसे युवकों पर नजर रखते हैं जो नशे की खरीद फरोख्त करने या इसका उपयोग करते रहे हैं। समिति सदस्यों को केसरीसिंहपुर में मंडी के पास एक युवक के पास स्मैक होने और उसके नशे की हालत में होने की जानकारी मिली तो उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उससे पूछताछ में उसने बताया कि वह केसरीसिंहपुर के ही किशन खान उर्फ किच्छू से यह नशा खरीद कर लाया था। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। वहीं किशन खान की तलाश की जा रही है। मौके पर पहुंचे एसएचओ जितेंद्र कुमार ने यह कार्रवाई की। केसरीसिंहपुर में नशे के असर से युवकों की मौत के बाद लोग खुद ही नशे के आदी लोगों को नशा छुड़ाने के लिए जुट गए हैं।

हाथ में से 22 हजार रूपये छीनने वाला गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले की पीलीबंगा थाना पुलिस ने छीनाझपटी करने के प्रकरण में सोमवार को शातिर चोर को गिरफ्तार किया। आरोपी युवक एक व्यक्ति के हाथ से झपट्टा मारकर 22 हजार रूपए छीनकर ले गया था।

पीलीबंगा पुलिस थाना प्रभारी भूपसिंह सहारण ने बताया कि 14 सितम्बर को कृष्णलाल पुत्र सोहनलाल सांसी निवासी सुई पीएस महाजन जिला बीकानेर ने लिखित रिपोर्ट पेश की कि 13 सितम्बर को दिन के वक्त करीब 2.30 बजे वह अपने गांव से कमाना जाने के लिए मंडी पीलीबंगा में पुराने बस स्टैंड पर उतरा था।

वह अपनी बुआजी के खर्च के कार्यक्रम में कपड़े लेने के लिए मंडी पीलीबंगा में नेहरू धर्मशाला के आगे पहुंचा। इसी दौरान पीछे से मोटर साइकिल पर एक लड़का आया। उसने कहा कि आपने मेरी दवाई की पर्ची उठा ली है। मना करने पर वह लड़का कहने लगा कि आप एक बार अपनी जेब संभाल लो। तब उसने अपनी जेब में रखी नकदी एवं अन्य कागजात निकाले तो उक्त लड़का झपट्टा मारकर हाथ में पकड़े 22

पीलीबंगा थाना पुलिस ने छीनाझपटी करने के प्रकरण में सोमवार को शातिर चोर को गिरफ्तार किया।

रूपए छीनकर ले गया। थाना प्रभारी सहारण के अनुसार रिपोर्ट के आधार पर मुकदमा दर्ज कर तफ्तीश एएसआई मांगेराम मोठसरा के सुपुर्द की। सम्पत्ति संबंधी अपराधों (चोरी, नकबजनी, लूट) में गिरफ्तारी व बरामदगी की प्रभावी कार्रवाई के लिए चलाए गए विशेष अभियान के तहत टीम ने मानवीय व तकनीकी आसूचना संकलन कर टीम भावना से कार्य करते हुए छीनाझपटी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान चन्द्रशेखर उर्फ चन्द्रीया (24) पुत्र धनराज नायक निवासी वार्ड तीन, नन्दराम की ढाणी पीएस हनुमानगढ़ टाउन के रूप में हुई।

427 होनहार प्रतिभाओं का सम्मान

बीकानेर, (कासं)। सिद्ध समाज की सिद्ध युवा महासभा संस्था द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम अंक हासिल करने वाली कुल 427 प्रतिभाओं के सम्मान समारोह का आयोजन रविन्द्र रंगमंच में किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत श्री देव जसनाथ महाराज के सामने द्वीप प्रज्जवल कर आरती के साथ की गई। विधायक जेठानन्द व्यास ने कहा कि सिद्ध समाज में शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में अलख जगाए ताकि समाज में अच्छी शिक्षा व अच्छे संस्कार प्रतिभाओं को मिल सके।

उन्होंने कहा कि शिक्षा सर्वोपरि है, समाज में शिक्षा के महिला सशक्तिकरण की आवश्यकता है ताकि बच्चों को गलत रास्ते पर जाने से बचाया जा सके। श्रीडूंगरगढ़ विधायक ताराचन्द सारस्वत ने कहा कि नशे की प्रवृति सिद्ध समाज में ही नहीं अपितु सभी समाजों में फैल रही है। इस पर गहनता से सुधार करना अति आवश्यक हैं। नोखा विधायक सुशीला डूडी ने कहा कि सिद्ध समाज की छात्राएं शिक्षा के क्षेत्र में सर्वोत्तम स्थान पर पहुंची है।

संदिग्ध कार्टनों से भरी वैन पकड़ी

- **वैन में नकली देशी घी लदा होने की आशंका थी**
- **सीएमएचओ ने पीटा कर वैन को पकड़ा**

श्रीगंगानगर, (कासं)। शहर के हनुमानगढ़ रोड स्थित रिद्धि-सिद्धि एनक्लेव में सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने पीछा कर संदिग्ध कार्टन लदी एक वैन को रोक लिया। सीएचएचओ को इस वैन में नकली देशी घी लदा होने की आशंका थी।

सीएमएचओ को सूचना मिलने के साथ ही उन्होंने इस वैन का पीछा शुरू कर दिया। वैन हनुमानगढ़ रोड से रिद्धि-सिद्धि एनक्लेव की तरफ मुड़ गई। सीएमएचओ ने भी उसका पीछा जारी रखा। यहां रिद्धि-सिद्धि मॉल के पीछे की तरफ जाने के दौरान एक बार यह सीएमएचओ डॉ. सिंगला की नजरों से ओझल हो गई। कुछ ही देर में फिर नजर आने पर सीएमएचओ फिर उसके पीछे हो लिए।

रिद्धि-सिद्धि मॉल के पीछे की तरफ अंधेरा देखकर ड्राइवर वैन छोड़कर भाग गया। उसने भागने से पहले इसे लॉक भी कर दिया। सीएमएचओ वैन के पास पहुंचे तो इसमें कुछ कार्टन लदे हुए थे। सीएमएचओ डॉ. सिंगला ने इस बारे में आसपास के लोगों से पूछताछ की, तो यह वैन पास के एक मकान के मालिक की होने की जानकारी मिली। इस पर सीएचएचओ संबंधित मकान के पास पहुंचे तो वहां मिले लोगों ने वैन उनकी होने से इनकार कर दिया।

इस पर सीएमएचओ डॉ. सिंगला ने इसकी सूचना सदर पुलिस को दे दी। सदर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर यह वैन कब्जे में ले ली। जब पुलिसकर्मी संबंधित मकान के पास पहुंचे तो वहां ताला मिला। बाद में क्रेन सर्विस का व्हीकल मंगवाकर इस वैन को टोचन करवाकर पुलिस के साथ भेज दिया गया। रात को यह वैन सदर पुलिस थाने में सुरक्षा में रही। सीएमएचओ डॉ. अजय सिंगला ने बताया कि रात को वैन पुलिस सुरक्षा में है। इसके मालिक के आने पर आगे कार्रवाई की जायेगी।

हेरोइन सहित बाइक सवार युवक गिरफ्तार

हनुमानगढ़, (कासं)। जिले की गोलूवाला थाना पुलिस ने बाइक सवार युवक से करीब दस ग्राम हेरोइन बरामद की है।

गिरफ्तार युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने युवक के पास से तस्करी में प्रयुक्त राइडर बाइक भी जब्त की है। मामले में आगे की जांच पीलीबंगा पुलिस को सौंपी गई है। जानकारी के अनुसार गोलूवाला पुलिस थाना प्रभारी एसआई रमेश पन्नू के नेतृत्व में टीम रात्रि को थाने के सामने नाकाबंदी कर रही थी। नाकाबंदी के दौरान पुलिस टीम ने बाइक पर जा रहे युवक को रूकवाकर तलाशी ली तो उसके कब्जे से 10.06 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद हुई। पुलिस ने बाइक जब्त कर मौके से अमरचन्द (26) पुत्र इन्द्रजीत नायक निवासी चक पांच एलकेएस हांसलिया हाल कांकड़वाला पीएस लूणकरनसर जिला बीकानेर को गिरफ्तार कर लिया। युवक के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है।

युवक के पास से तस्करी में प्रयुक्त एक राइडर बाइक को भी जब्त की गई है। मुकदमे में आगे की जांच पीलीबंगा पुलिस थाने के एसआई मुकेश कर रहे हैं।

भोमियाजी मूलसिंह का मेला भरा

दियातरा, (निसं)। ग्राम पंचायत खेतोलाई शंभु में भोमियाजी मूलसिंह दादोसा का मेला भरा। श्रद्धालुओं ने मंदिर पहुंचकर अखंड जोत के दर्शन किए। हवन कुंड की परिक्रमा लगाई और सुख-समृद्धि की कामना की।

मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया। पुजारी बन्ने सिंह ने बताया कि रविवार सुबह से श्रद्धालु आने शुरू हो गए जो देर शाम तक यह क्रम जारी रहा। पं. जेठू महाराज के सानिध्य में लोगों ने हवन कुंड में आहुतियां दी। मेले में नाथूसर, सियाणा, आदि गांवों से लोग हाथों में ध्वजा लिए पैदल पहुंचे और धोक लगाई।

ईद के जुलूस में लगे भारत माता के जयकारे

- **ईद मिलादुन्नबी पर आपसी भाईचारे का दिया संदेश, पुलिस बल रहा तैनात**

श्रीगंगानगर, (कासं)।ईद मिलादुन्नबी के उपलक्ष में सोमवार को श्रीगंगानगर के मदीना मस्जिद से जुलूस निकाला गया। जुलूस शहर के प्रमुख इलाकों से होते हुए गुजरा। जिस भी इलाके से जुलूस गुजरा लोग इसे देखने के लिए बाहर निकल आए।

जुलूस में शामिल लोग भारत माता की जय सहित कई नारे लगा रहे थे। जुलूस केदार चौक इलाके के मदीना मस्जिद से रवाना होकर उदाराम चौक, रामनगर प्रवेश द्वार, पूर्व मंत्री राधेश्याम गंगानगर आवास रोड, गौशाला रोड, सुखाड़िया सर्किल होते हुए शहर के मुख्य मार्गों से गुजरा। जुलूस के लिए उपखंड अधिकारी स्तर से शनिवार को अनुमति जारी की गई थी। इसमें जुलूस का रूट तय किया गया। तय रूट पर पुलिस टीम तैनात थी। वहीं एसडीएम स्तर से जुलूस पर नजर रखी जा रही थी। पुरानी आबादी थाना क्षेत्र के केदार चौक से रवाना हुए जुलूस के लिए जगह-जगह पुलिस बल तैनात किया गया। जवाहर नगर थाना इंचार्ज देवेंद्र सिंह और कई प्रशासनिक अधिकारी पूरे जुलूस के दौरान मौजूद रहे।

कार्यक्रम का आयोजन ऑल इंडिया उलमा एंड मशाइख बोर्ड व मुस्लिम समुदाय की ओर से किया गया। मौलाना ए. करीम की अगुवाई में निकले जुलूस में पुरानी आबादी मस्जिद के सदर और मशाइख बोर्ड के उपाध्यक्ष हाजी मोहम्मद हुसैन, मौलाना रेहान रजा आदि मौजूद थे।

स्थानांतरण सहित कई मुद्दों को लेकर शिक्षकों का धरना- प्रदर्शन कल

बीकानेर, (कासं)। शिक्षक दिवस पर राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) द्वारा राज्यभर में आयोजित शिक्षक पंचायतों में पेंशन, अध्यापक स्थानांतरण, स्थानांतरण नीति, शिक्षा नीति और गैर शैक्षिक कार्यों से मुक्ति के अलावा वेतन स्थिरीकरण व स्थाईकरण जैसे रोजमर्रा के कार्यों को अकारण लटकाए रखने की विभागीय अधिकारियों की प्रवृति जैसे मुद्दों पर शिक्षकों का दर्द छलक उठा था।

प्रदेश मंत्री श्रवण पुरोहित ने बताया कि संगठन के पदाधिकारियों की आज संपन्न बैठक में 18 सितम्बर को शिक्षा निदेशालय पर आयोजित विशाल धरने की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित कर सफल आयोजन की रणनीति बनाई गई।

बीकानेर जिला अध्यक्ष सुरेन्द्र भाटी ने बताया कि राज्य भर में आयोजित शिक्षक पंचायतों में हुए विमर्श में तीखेपन के साथ यह उभर कर आया कि केन्द्र सरकार द्वारा एनपीएस के स्थान पर यूपीएस का विकल्प देने,

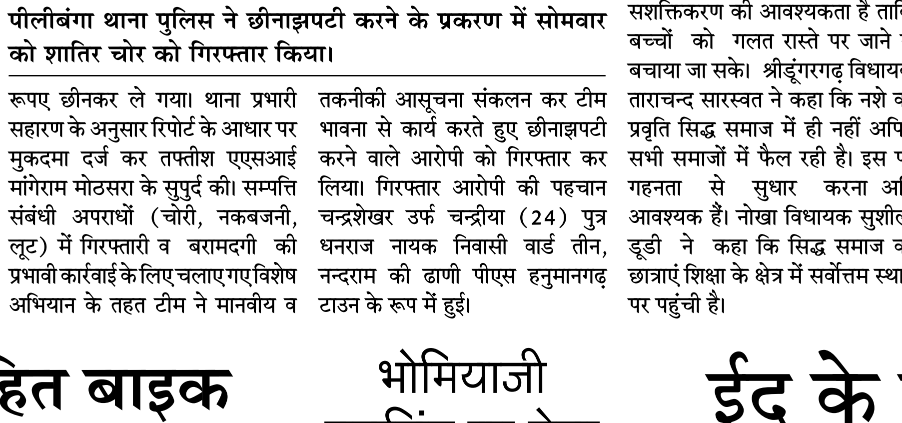

बीकानेर में शिक्षा निदेशालय पर प्रदर्शन की रणनीति पर शिक्षक संघ शेखावत की बैठक में चर्चा करते पदाधिकारी।

राज्य में ओपीएस की सुनिश्चितता के लिए कर्मचारियों द्वारा निरंतर आवाज उठाने के बावजूद राज्य सरकार की खामोशी ने ओपीएस के संबंध में कर्मचारियों की आशंका को बहुत बढा दिया है। शिक्षक पंचायतों में शामिल शिक्षकों का यह स्पष्ट सुझाव था कि कर्मचारियों को पुरानी पेंशन योजना को बचाने के लिए मजबूती से संघर्ष के मैदान में उतरना चाहिए। शिक्षक और छात्र विरोधी शिक्षा नीति 2020 के खिलाफ और अध्यापकों के न्यायपूर्ण

- **वेतन स्थिरीकरण व स्थाईकरण जैसे रोजमर्रा के कार्यों को अकारण लटकाए रखने की अधिकारियों की प्रवृति जैसे मुद्दों पर शिक्षकों का दर्द छलका**

स्थानांतरण के लिए निर्णायक आंदोलन का ऐलान शिक्षक पंचायत में किया गया। जिला मंत्री महेंद्र पाल भंवरिया ने बताया कि राज्य के शिक्षकों की भावना, राज्यभर में आयोजित शिक्षक पंचायतों में शिक्षकों के उभरे गुस्से और पंचायतों में लिए गए निर्णयों के अनुरूप राजस्थान शिक्षक संघ (शेखावत) ने राज्यव्यापी आंदोलन की घोषणा कर दी है।

तेरापंथ धर्म संघ का प्रारंभ आषाढ़ी पूर्णिमा से होता है : चरितार्थ प्रभा

बीकानेर, (कासं)। श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा गंगाशहर के तत्वावधान में साध्वी चरितार्थ प्रभा एवं साध्वी प्रांजल प्रभा के सानिध्य में 222 वां भिक्षु चरमोत्सव का आयोजन शांति निकेतन सेवा केन्द्र के प्रांगण में किया गया।

इस अवसर पर बोलते हुए साध्वी चरितार्थ प्रभा ने कहा कि आचार्य भिक्षु का जन्म विक्रम संवत 1786 आषाढ़ शुक्ला तेरस को कंटालिया मारवाड़ में हुआ। तेरापंथ धर्म संघ का प्रारंभ विक्रम संवत 1817 आषाढ़ी पूर्णिमा से होता है उसी दिन आचार्य भिक्षु ने नए सिरे से व्रत ग्रहण किए। इस प्रकार उनकी दीक्षा के साथ ही तेरापंथ का सहज प्रवर्तन हुआ।

आचार्य भिक्षु को नई स्थिति में सर्वप्रथम बहुत विरोध का सामना करना पड़ा। आचार्य भिक्षु ने जो विचार प्रस्तुत किए वे नए थे, इसलिए उनका भयंकर विरोध होने लगा। आचार्य भिक्षु ने इस स्थिति को देखते हुए अपने जीवन की दिशा में आत्म कल्याण को प्राथमिकता देते हुए एक दिन उपवास

भिक्षु चरमोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को साधवी चरितार्थ प्रभा ने सम्बोधित किया।

एक दिन आहार एकांतर तप प्रारंभ कर दिया और वन में आतापना लेना शुरू कर दिया एवं सारा समय ध्यान-साधना में लगा दिया। यह क्रम वर्षों तक चला फिर एक दिन थिरपाल और फतेहचंद दो मुनिवरों ने आचार्य भिक्षु से प्रार्थना की गुरूदेव तपस्या का वरदान हमें दे और आप जनता को प्रतिबोध दें। यह तेरापंथ के विकास का प्रथम स्वर था। आचार्य भिक्षु ने उनकी प्रार्थना को सुना और फिर एक बार जनता को प्रतिबोध देना शुरू किया। लोगों ने आचार्य भिक्षु को सुना-समझा और उनके अनुयायी बनने लगे। जैसे-जैसे काल की लम्बाई बढ़ती है, वैसे-वैसे उसका आवरण सबको आवृत करता जाता है।